>

Title: Need to take steps to release Indian workers stranded in Angola, Africa.

डॉ. किरीट प्रेमजीभाई सोलंकी (अहमदाबाद पश्चिम): सभापति जी, अफ्रीका के अंगोला में गुजरात के 40 व्यक्ति एवं संपूर्ण भारत के 1200 लोगों पर अत्याचार हो रहा है, उस बात को मैं आपके माध्यम से सदन में रखना चाहता हूँ। कई एजेन्सियों के द्वारा ये सब लोग अंगोला में एक सीमेन्ट की फैक्ट्री में काम करने हेतु गए थे। वहाँ उन लोगों ने चार से पाँच महीने काम किया, मगर उनको कोई वेतन नहीं दिया गया। उन लोगों ने ओवरटाइम किया, मगर उसका भी उनको कोई वेतन नहीं दिया गया। उन्होंने मांग की तो उन पर अत्याचार किया गया, उन लोगों पर गोलियाँ बरसाई गई। यह घटना करीब दो हफ्ते पहले की है। वे लोग छिप गए। इनमें से कई लोगों को बंधक बनाया गया, उनके पासपोर्ट छीन लिए गए और वे लोग जान बचाकर जंगल में छिप गए। उनकी स्थिति बहुत ही दारिद्र्यपूर्ण है। वे लोग सदमे में हैं और अपनी जान बचाकर इधर-उधर भाग रहे हैं।

अभी-अभी गुजरात के चार लोग और भारत में से कुल चालीस लोग करीबन चार दिन पहले यहां आए हैं। उन लोगों ने अपनी व्यथा का वर्णन किया है, जो कि बहुत दर्दनाक है। वे लोग कंटेनर में छिप गए थे। वहां के दूतावास से उनको कोई मदद नहीं मिली। गुजरात के मुख्यमंत्री ने भारत के प्रधानमंत्री को पत्र लिखा, लेकिन इस बारे में अभी तक कोई प्रगति नहीं हुई है। इस मामले में विदेश मंत्रालय का रवैया बहुत ही ढीला रहा है। मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से निवेदन करता हूं कि उन लोगों को रिहा करवाया जाए और उन लोगों को जो यातनाएं दी जा रही हैं, उन लोगों को जान-माल का खतरा है, उससे उनको मुक्त किया जाए। जिस एजेंसी के द्वारा उनको ले जाया गया है, उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और उसे दंडित किया जाए। यही मेरी मांग है।

MR. CHAIRMAN :

Shri Arjun Ram Meghwal,

Shri Rajendra Agarwal and

Shri K.D. Deshmukh are allowed to associate themselves with the matter raised by Dr. Kirit Premjibhai Solanki.